

" शहरी भाषा "

- मुझको तनिक ना भाय रे ^{सुसुसु} श्याम तेरी मुरलिया ----- ॥२॥ श्याम तेरी मुरलिया...
- रह रहके मुझको सताय रे ^{सुसुसु} श्याम तेरी मुरलिया
- मुझको तनिक ना ----- रह रहके मुझको -----
- ① तेरी मुरलिया में बड़े बड़े गुन हैं ॥२॥ ओखों की, निंदिया चुराय रे ^{सुसुसु} श्याम तेरी मुरलिया...
- मुझको तनिक ना ----- रह रहके मुझको -----
- ② तेरी मुरलिया में बड़े बड़े गुन हैं ॥२॥ दौड़ू तो, आजे पायलिया ^{सुसुसु} श्याम तेरी मुरलिया...
- मुझको तनिक ना ----- रह रहके मुझको -----
- ③ तेरी मुरलिया में बड़े बड़े गुन हैं ॥२॥ पूनम को, रास रावाय रे ^{सुसुसु} श्याम तेरी मुरलिया...
- मुझको तनिक ना ----- रह रहके मुझको -----
- ④ तेरी मुरलिया में बड़े बड़े गुन हैं ॥२॥ रात भर, नाच नचाय रे ^{सुसुसु} श्याम तेरी मुरलिया...
- मुझको तनिक ना ----- रह रहके मुझको -----
- ⑤ तेरी मुरलिया में बड़े बड़े गुन हैं ॥२॥ पुन मुरली की, गैये चराय रे ^{सुसुसु} श्याम तेरी मुरलिया...
- मुझको तनिक ना ----- रह रहके मुझको -----
- ⑥ तेरी मुरलिया में बड़े बड़े गुन हैं ॥२॥ अमुआ प कोयलिया गाय रे ^{सुसुसु} श्याम तेरी मुरलिया...
- मुझको तनिक ना ----- रह रहके मुझको -----
- ⑦ तेरी मुरलिया में बड़े बड़े गुन हैं ॥२॥ " श्री बाबा श्री " को, हंसाय रे ^{सुसुसु} श्याम तेरी मुरलिया...
- नित नई राग सुनाय रे ^{सुसुसु} श्याम तेरी मुरलिया ॥२॥